संपादकीय

जन कल्याण की झलक हो चुनावी वायदों में

बीते समय में इंग्लैंड के चुनाव में वहां की लेबर पार्टी ने जनता को मुफ्त ब्राडबैंड, मुफ्त बस यात्रा और मुफ्त कार पार्किंग जैसी सुविधाओं का प्रलोभन दिया था। हम भी क्यों पीछे रहते। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्ष पूर्व छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिए गये, तमिलनाडु में चुनाव पूर्व किचन ग्राइंडर और साइकिल वितरित करने का आश्वासन दिया गया, दिल्ली में एक सीमा के अंतर्गत मुफ्त बिजली और पानी दिया जा रहा है और केन्द्र सरकार द्वारा मुफ्त गैस सिलेंडर, एलईडी बल्ब और खाद्यान्न वितरित किये जा रहे हैं। निश्चित रूप से इस प्रकार के सीधे वितरण से जन कल्याण हासिल होता है। जिस छात्र को लैपटॉप मिल जाता है, वह उससे अपने कौशल को सुधार सकता है और जीवन में आगे बढ़ सकता है। लेकिन कहावत है कि किसी को मछली देने के स्थान पर मछली पकड़ना सिखाना ज्यादा उत्तम है। चूंकि मछली देने से एक बार मछली का भोजन करके वह आनन्दित हो सकता है, लेकिन यदि उसे मछली पकड़ना सिखा दिया जाए तो आजीवन अपने भोजन की व्यवस्था कर सकता है। इसलिए सरकार के लिए जरूरी है कि वह अपने सीमित राजस्व का उस स्थान पर निवेश करे जहां की जनता का लम्बे समय तक और अधिकाधिक कल्याण हो सके।

यहां एक विषय यह है कि अक्सर इस प्रकार के मुफ्त वितरण के वायदे चुनाव पूर्व किये जाते हैं जैसा कि इंग्लैंड में लेबर पार्टी ने चुनाव पूर्व किया है। अपने देश में कांग्रेस ने 2009 में किसानों की ऋण माफी का वायदा किया और सत्ता हासिल की थी। तमिलनाडु में जैसा कि ऊपर बताया गया है कि किचन ग्राइंडर आदि बांटने के आश्वासन चुनाव पूर्व दिए गये। इस प्रकार के वायदे किये जाने से सरकार के राजस्व का उपयोग पार्टी के हितों को साधने के लिए किया जाता है। जैसे यदि कांग्रेस सरकार ने 2009 में लोन माफ़ी का वायदा किया अथवा वर्तमान में केन्द्र सरकार एलपीजी गैस के सिलेंडर बांट रही है तो इसका लाभ पार्टी विशेष को मिलता है, जबकि इन मुफ्त सुविधाओं को वितरित करने का भार सरकार के राजस्व पर पड़ता है। अतः उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में नोटिस जारी किया है कि चुनाव पूर्व इस प्रकार के वायदों पर रोक क्यों न लगाई जाए? सुप्रीम कोर्ट की यह सोच सही दिशा में है और केन्द्र सरकार को इस दिशा में स्वयं पहल करके इस प्रकार के चुनाव पूर्व वायदों को प्रतिबंधित करने का राष्ट्रव्यापी कानून बनाना चाहिए।

चुनाव से आगे, सरकार द्वारा तीन प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं। पहली सुविधा सार्वजनिक जो केवल सरकार द्वारा दी जा सकती है, दूसरी सुविधा उत्कृष्ट जो व्यक्ति गत है लेकिन उसका समाज पर प्रभाव पड़ता है, और तीसरा व्यक्ति गत जो कि व्यक्ति विशेष मात्र को लाभ पहुंचाती है। सार्वजनिक सुविधाएं वे हैं जो सरकार ही उपलब्ध करा सकती है। जैसे रेलगाड़ी, गांव की सड़क अथवा कोविड से बचने के लिए क्या कदम उठए जाएं, इसकी जानकारी। ये सुविधा केवल सरकार ही दे सकती है। इसलिए सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी इस प्रकार की सार्वजनिक सुविधाओं को उपलब्ध कराने की होनी चाहिए। इससे आगे कुछ सुविधाएं व्यक्ति गत लेकिन 'उत्कृष्ट' कही जा सकती हैं। जैसे किसी व्यक्ति द्वारा मास्क पहनना मूलतः व्यक्ति गत सेवा है। वह बाजार से 10 रुपये का मास्क खरीद कर पहन सकता है। इसमें सरकार द्वारा वितरण करने की जरूरत नहीं है। लेकिन व्यक्ति के मास्क पहनने से दूसरों का संक्रमण से बचाव होता है। इसलिए सरकार मास्क बांटे और लोगों को उसे लगाने के लिए प्रेरित करे तो यह सुविधा व्यक्ति गत होने के बावजूद उत्कृष्ट कही जाती है क्योंकि इससे दूसरे तमाम लोगों को लाभ होता है। इसकी तुलना में कुछ सुविधाएं मुख्यतः व्यक्ति गत कही जा सकती हैं। जैसे मुफ्त बिजली -पानी, मुफ्त गैस सिलेंडर, मुफ्त साइकिल अथवा लैपटॉप। इस प्रकार की सेवाओं को वितरित करने से व्यक्ति विशेष मात्र को लाभ होता है और पूरे समाज को इसका लाभ नहीं होता है परन्तु सरकार का राजस्व खप जाता है।

- भरत झुनझुनवाला

350 खिलाड़ियों के उपयोग के लिए तीन नए हॉस्टल बनेंगे

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय के अंतर्गत कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने देश में खेल के बुनियादी ढांचे की बेहतरी के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के खेल विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन के तहत सीआईएल, अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) में 75 करोड़ रुपये का योगदान देगा। सीआईएल के योगदान का उपयोग खिलाड़ियों के लिए बने तीन बड़े छात्रावासों के निर्माण के लिए किया जाएगा। इस पहल को ओलंपिक और पैरालंपिक में हाल की सफलता के माध्यम से बनाए गए खेल के माहौल को फिर से हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है, जहां भारत ने पदकों के दृष्टिकोण से अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

MoU Signing Ceremony
"Construction of 3 Sports Hostels"

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक की उपस्थिति में आयोजित किया गया। डॉ. अनिल कुमार जैन, सचिव (कोयला), रवि मित्तल, सचिव (खेल), प्रमोद अग्रवाल, अध्यक्ष, सीआईएल और दोनों मंत्रालयों तथा सीआईएल के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने समारोह में भाग लिया।

इन छात्रावासों का निर्माण लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर और भारतीय खेल प्राधिकरण के भोपाल और बेंगलुरु केंद्र में संयुक्त रूप से कुल मिलाकर 350 खिलाड़ियों के लिए किया जाएगा। यह छात्रावास राष्ट्रीय स्तर के कोचों के तहत केंद्रित प्रशिक्षण के माध्यम से एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर प्रतिभाशाली एथलीटों को सीधे फायदा पहुंचाएंगे। यह परियोजना 2023 तक पूरी हो जाएगी जिसके लिए सीआईएल पहले ही 25 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। सीआईएल का यह विशेष साथ भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत बताए गए उद्देश्य को भी पूरा करता है।

सीआईएल सीएसआर पहलों पर सालाना 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करता है। सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों ने अपने परिचालन क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के विषयगत क्षेत्र के तहत कुछ उच्च प्रभाव वाली परियोजनाएं शुरू की हैं। इनमें उल्लेखनीय है- झारखंड के आदिवासी युवाओं को 10 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की लागत से आवासीय प्रशिक्षण प्रदान करके रांची में स्पोर्ट एकेडमी को सहायता, 25 करोड़ रुपये की लागत से संबलपुर, ओडिशा में एक बहुउद्देश्यीय खेल परिसर और ओडिशा के झारसुगुड़ा में 23 करोड़ रुपये की लागत से 10,000 क्षमता का स्टेडियम।

आरबीआई ने 4 साल बाद यूको बैंक को किया आजाद, सारे प्रतिबंध हटाए

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व बैंक ने यूको बैंक को अपनी त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई व्यवस्था के प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया है। रिजर्व बैंक ने कहा, यूको बैंक के कामकाज की समीक्षा के बाद वित्तीय निगरानी बोर्ड ने बेंक के 2020- 21 के प्रकाशित वित्तीय परिणामों के आधार पर यह पाया कि बैंक पीसीए मानदंडों का उल्लंघन नहीं कर रहा है। आरबीआई के बयान में कहा गया है कि बैंक ने न्यूनतम नियामकीय पूंजी नियमों, शुद्ध एनपीए और दूसरे नियमों का पालन करने को लेकर लिखित में अपनी प्रतिबद्धता जताई है। बैंक ने अपने ढांचागत और प्रणालीगत सुधारों के बारे में भी रिजर्व बैंक को अवगत कराया है जिससे कि बैंक को वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। आरबीआई ने कहा कि इन बातों पर विचार करते हुए यह निर्णय लिया गया कि यूको बैंक को पीसीए प्रतिबंधों से बाहर कर दिया जाए। हालांकि, इसके साथ ही कुछ शर्तें और लगातार निगरानी जारी रहेगी।

आपको बता दें कि कोलकाता मुख्यालय वाला यूको बैंक मई 2017 से पीसीए मानदंडों के दायरे में है। इस दौरान बैंक आरबीआई की कड़ी निगरानी में था।

झाझरिया और वेंकटेश प्रसाद राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2021 के चयन पैनल में शामिल

नई दिल्ली। तीन बार के पैरालंपिक पदक विजेता एवं भारतीय पैरा भाला फेंक एथलीट देवेंद्र झाझरिया, पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद, पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज एल सरिता देवी और पूर्व निशानेबाज अंजलि भागवत को इस वर्ष के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए चयन पैनल में शामिल किया गया है।

सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुकुंदकुम शर्मा को चयन पैनल का अध्यक्ष चुना गया है। खेल मंत्रालय की ओर से जारी सर्कुलर के मुताबिक पैनल में महिला हॉकी टीम के पूर्व कोच बलदेव सिंह, पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट टीम कप्तान अंजुम चोपड़ा, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक संदीप प्रधान और वरिष्ठ पत्रकार विजय लोकपल्ली तथा विक्रांत गुप्ता भी शामिल हैं। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2021 के विजेताओं को चुनने के लिए पैनल अगले कुछ दिनों में बैठक करेगा।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय खेल पुरस्कार, जिसमें खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और ध्यानचंद पुरस्कार शामिल हैं, राष्ट्रपति की ओर से 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर दिए जाते हैं। इस वर्ष की पुरस्कार वितरण तारीख को हालांकि पारंपरिक तारीख से आगे बढ़ा दिया गया था, क्योंकि सरकार ने ओलंपिक और पैरालंपिक दोनों खेलों में भारत के प्रदर्शन का इंतजार करने का निर्णय लिया था।

खास बात यह है कि इस बार भारत ने ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में शानदार, यादगार और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। ओलंपिक में जहां भारतीय दल ने कुल सात पदक जीते तो वहीं पैरालंपिक में यह आंकड़ा 19 रहा जो एक रिकॉर्ड है।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में सर्वोच्च खेल सम्मान खेल रत्न पुरस्कार है, जिसे इस वर्ष राजीव गांधी खेल रत्न से बदलकर ध्यानचंद खेल रत्न किया गया है, जबकि दूसरे नंबर पर अर्जुन पुरस्कार है। खेल रत्न के विजेताओं को 25 लाख, जबकि अर्जुन पुरस्कार के विजेताओं को 15 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाती है।

नये पोर्टल पर प्रतिदिन औसतन 15.55 लाख करदाता कर रहे लॉगइन

नई दिल्ली। आयकर विभाग के नये पोर्टल पर प्रतिदिन औसतन 15.55 लाख करदाताओं के लॉगइन करने का हवाला देते हुये वित्त मंत्रालय ने आज कहा कि इस पोर्टल पर आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए वह लगातार इसका प्रबंधन करने वाली कंपनी इंफोसिस के साथ संपर्क में है और इसका निगरानी कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि गत 7 जून को इस पोर्टल को लाँच किया गया था और उसी दिन से इसको लेकर समस्यायें आ रही और करदाताओं को रिटर्न भरने में दिक्कत हो रही है। मंत्रालय ने आज जारी बयान में कहा कि कई तकनीकी समस्यायें दूर की जा चुकी है और इसका असर भी दिख रहा है। सात सितंबर 2021 तक 8.83 करोड़ करदाताओं ने इस पोर्टल पर लॉगइन किया है। सितंबर में प्रतिदिन औसतन 3.2 लाख आयकर रिटर्न दाखिल किये जा रहे है और अब तक मूल्याकंन वर्ष 2021-22 के लिए 1.19 करोड़ रिटर्न भरे जा चुके हैं। 76.2 लाख करदाताओं ने इस पोर्टल की ऑनलाइन यूटिलिटी का रिटर्न दाखिल करने के लिए उपयोग किया है। उसने कहा कि 94.88 लाख से अधिक रिटर्न का ई वेरिफिकेशन हो चुका है और उसमें से 7.07 लाख रिटर्न का प्रोसेस भी हो चुका है। इसके अतिरिक्त विभाग के फेसलेस अस्सेमेंट के तहत 8.74 लाख नोटिस जारी किये जा चुके है और उनमें से 2.61 लाख को जबाव भी मिला है।

फेसबुक का कोविड-उपयुक्त व्यवहार को लेकर नया अभियान

नई दिल्ली। फेसबुक ने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ), पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया और लव मैटर्स इंडिया के साथ साझेदारी में माय स्टोरी अभियान लॉन्च किया है, जो कोविड-19 संक्रमण रोकने के लिए निरंतर सावधानी बरतने के महत्व पर प्रकाश डालता है। वेबर शैंडविक इंडिया द्वारा परिकल्पित और निर्मित अभियान में 10 लघु फिल्में शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक हमारे जीवन पर कोविड-19 के प्रभाव के बारे में व्यक्तिगत और आम कहानियों को बताने पर केंद्रित है। अभियान इसके अलावा उपयोगकर्ताओं को उनके अनुभवों को बाँट कर समुदाय की भावना बनाने के लिए महामारी से जुड़ी अपनी कहानियों को साझा करने के लिए कहता है। फिल्मों की अवधारणा एक व्यवहार परिवर्तन अभियान के हिस्से के रूप की गई थी, क्योंकि व्यक्तिगत कहानियां 'सामान्यीकरण' की ओर ले जाती हैं और परिणामस्वरूप, कोविड-उपयुक्त व्यवहार और टीकाकरण की अधिक स्वीकृति होती है।

इस अभियान पर टिप्पणी करते हुए, फेसबुक के निदेशक और पार्टनरशिप के प्रमुख मनीष चोपड़ा ने कहा, जब से महामारी की शुरुआत हुई है, हम उपयोगकर्ताओं को स्वास्थ्य पर प्रामाणिक संसाधनों के लिए निर्देशित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए दुनिया भर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उचित व्यवहारों का पालन करें जो महामारी को रोकने में मदद कर सकते हैं। अन्य प्रमुख स्वास्थ्य संगठनों के सहयोग से संकल्पित, यह अभियान इस बात पर आधारित है कि कैसे सामग्री का लाभ उठाया जा सकता है ताकि कोविड-19 मानदंडों का पालन करने की आवश्यकता को संप्रेषित किया जा सके और लोगों को टीकों का चयन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इनमें से प्रत्येक वीडियो में मानवीय सत्य का एक तत्व है, जो दिन-प्रतिदिन के उदाहरणों को एक संबंधित तरीके से दर्शाता है।

अजय देवगन ने लॉन्च किया पैनोरामा म्यूजिक

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन फिल्म जगत में कई साल से काम कर रहे हैं. जहां एक्टर की तगड़ी फैन फॉलोइंग भी है. जहां अब अजय देवगन ने अपने फैंस से एक खास वीडियो बनाकर एक यूट्यूब चैनल को सब्सक्राइब करने का अनुरोध किया है. जी हां, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने अब पैनोरामा म्यूजिक नामक लेबल लॉन्च किया है. जिसका प्रमोशन अब अजय देवगन कर रहे हैं.

आपको बता दें, इस म्यूजिक चैनल का नेतृत्व राजेश मेनन करने वाले हैं. कहा जा रहा है कि पैनोरामा म्यूजिक ओरिजिनल म्यूजिक, फिल्म म्यूजिक, स्वतंत्र म्यूजिक, और रीजनल म्यूजिक को बढ़ावा देगा. जहां इस लेबल के जरिए कई नए कलाकारों को गाना गाने का मौका भी दिया जाएगा. जहां ये नया लेबल रीजनल कंटेंट के निर्माण पर जोर देगा और साथ ही हिंदी कंटेंट में विभिन्न प्रकार की शैलियां, मुख्य रूप से सूफी, गजल और भक्ति सोंग्स को शामिल करेगा.

अजय देवगन इस म्यूजिक लेबल को प्रमोट करते हुए अपने पोस्ट में कहा कि म्यूजिक का हमेशा से मेरे जीवन में खास स्थान रहा है. डिजिटल मीडियम के माध्यम से संगीत की संभावनाएं अनंत हैं. भारत की संगीत संस्कृति हमेशा से समृद्ध रही है, जो अभी भी अस्पष्टीकृत है; पैनोरामा म्यूजिक, पैनोरामा स्टूडियोज के लिए सही दिशा में एक कदम है और मैं उन्हें उनके नए उद्यम के लिए शुभकामनाएं देता हूं.

तय तारीख से एक हफ्ते पहले दर्शकों के बीच आएगी फिल्म भूत पुलिस

फिल्म भूत पुलिस लंबे समय से सुर्खियों में है। फिल्म में सैफ अली खान, अर्जुन कपूर, यामी गौतम और जैकलीन फर्नांडिज मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया गया था, जिसमें कहा गया था कि फिल्म 17 सितंबर को रिलीज होगी, लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट बदल गई है। भूत पुलिस को अब तय समय से एक हफ्ते पहले रिलीज किया जाएगा।

BHOOT POLICE

फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। उन्होंने भूत पुलिस का पोस्टर शेयर कर इंस्टाग्राम पर लिखा, भूत पुलिस 17 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन यह एक हफ्ते पहले दस्तक देगी। फिल्म 10 सितंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है।

बनाएं मटर-कचौड़ी पोटली

मटर कचौड़ियों को आपने तरीदार सब्जी के साथ खूब खाया होगा, लेकिन इस बार लुत्फ उठाएं मटर-कचौड़ी पोटली का, जो बेक करके बनाी गई हैं। इस डिश को अपने किचन मेन्यू में शामिल करना न भूलें।

सामग्री :

1 टीस्पून तेल, 1/2 टीस्पून जीरा, 1 दालचीनी का टुकड़ा, 2 लौंग, 1/2 टीस्पून गरम मसाला, चुटकी भर हल्दी, 2 बारीक कटी हरी मिर्च, 1.5 कप मटर, 1 बारीक कटा प्याज, नमक, 3 टेबलस्पून कटा धनिया, 1 टेबलस्पून बारीक कटे नट्स, 8-10 मैदे की रोटियां या स्प्रिंग रोल शीट्स, 1 टेबलस्पून कॉर्न स्टॉर्च

विधि :

फ्राइंग पैन में तेल, जीरा, दालचीनी, लौंग, गरम मसाला, हल्दी, हरी मिर्च और अदरक-लहसुन मिलाएं। अब इसमें प्याज, मटर और नमक डालकर पकाएं। इस मिश्रण को पीस लें। पिसे हुए मिश्रण को बोल में निकालें। धनिया और नट्स मिलाएं। मैदे की रोटी में स्टफिंग भरें। कॉर्नस्टार्च में पानी मिलाकर स्लरी तैयार करें। इसके किनारे चिपकाकर पोटली बनाएं। अवन को 190 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। ऑयल का स्प्रे करें। इसे 20 मिनट तक बेक करें। तैयार हो गईं मटर-कचौड़ी की पोटलियां।

शेफ टिप्स- ऊपर से काली मिर्च पाउडर छिड़कें और इन्हें मेयोनीज़ केचअप वाली डिप के साथ सर्व करें। अगर आप नॉन वेजेटेरियन हैं तो मटर की जगह चिकेन कीमा से स्टफिंग तैयार करें, वहीं इसमें बारीक कटे नट्स मिलाएं। अगर चाहें तो इसमें मटर मिला सकती हैं। कीमा के साथ मटर का कॉम्बिनेशन स्वादिष्ट लगता है।

शब्द सामर्थ्य- 196

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

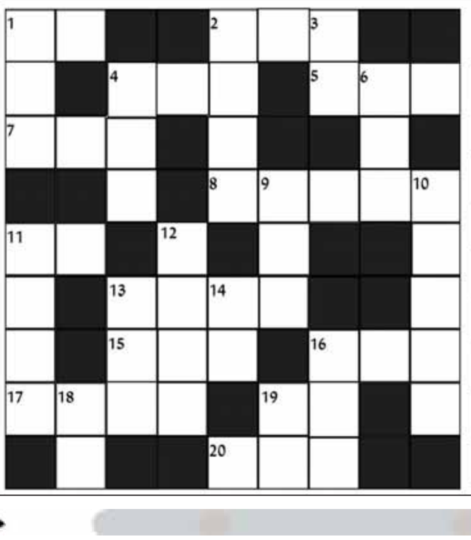

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 195 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्रा
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

सू-दोकू- 196

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र[illegible] सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.195 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आज का राशिफल

मेष : लंबी अवधि की आर्थिक योजना के लिए अनुकूल दिन है। आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से दिन लाभदायक है। शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव करेंगे।

वृषभ : शुभकार्य की प्रेरणा मिलेगी। परिश्रम का अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के बावजूद आपके काम में तत्परता और कुशलता आपकी प्रगति में सहायक होंगे।

मिथुन: दुविधा में उलझा हुआ आपका मन महत्त्वपूर्ण निर्णय नहीं ले सकेगा। वैचारिक तूफानों से मानसिक अस्वस्थता अनुभव करेंगे।

कर्क : शारीरिक और मानसिक ताजगी के साथ घर में भी आनंद का वातावरण रहेगा। मित्रों एवं स्नेहीजनों के साथ मुलाकात होगी। दोस्तों से लाभ होगा।

सिंह : पारिवारिक सदस्यों के साथ सुख-शांति से दिन व्यतीत होगा। उनका सहयोग मिलेगा। स्त्री मित्रों से विशेष मदद प्राप्त कर सकगें।

कन्या : आज के लाभदायक दिन से आपकी वैचारिक समृद्धि बढ़ेगी। वाकपटुता और मीठी वाणी से आप लाभप्रद सौहार्दपूर्ण संबंध विकसित कर सकेंगे।

तुला : आज के दिन जरा सा भी असंयमित और अनैतिक व्यवहार आपको तकलीफ में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें। वाणी की शिथिलता उग्र तकरार कराएंगी, ऐसी संभावना है।

वृश्चिक: मित्रों के साथ मुलाकात, प्रवास का आयोजन करेंगे, विवाहोत्सुक युवक-युवतियों के विवाह के लिए सुनहले अवसर आएंगे।

धनु: गृहस्थ जीवन में आनंद छाया रहेगा। प्रत्येक कार्य में सफलता प्राप्त होगी। ऊपरी अधिकारी आप पर प्रसन्न रहेंगे।

मकर: आज का दिन आपके लिए अनुकूलता और प्रतिकूलता से मिश्रित फलदायी रहेगा। बौद्धिक कार्य और व्यावसायिक क्षेत्र में आप नए विचारो से प्रभावित होंगे।

कुंभ : वाणी पर संयम रखिएगा। इससे पारिवारिक घर्षण को आप टाल सकेंगे। प्रत्येक व्यक्ति , वस्तु या घटना को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखिएगा।

मीन : दैनिक कार्यों में से छूट कर आज बाहर घूमने-फिरने और मनोरंजन प्रवृत्तियों के लिए समय निकालेंगे।